First Position S.K.V. S.P. Road Nangloi West - B 1617013

गौरवपूर्ण बलिदान गुरु तेग बहादुर

औरंगज़ेब ने भाई मतिदास को दो टुकड़ो में चिरवा दिया।
भाई दयालदास जी को गर्म तेल में डाल दिया ॥
भाई सतिसदास जी को, रुई में लपेटा जला दिया।
ये सब करकर उसने सोचा, तेगबहादुर को डरा दिया॥
गुरुजी बोले, आप कुछ भी करले धर्म ना अपना बदलूंगा।
क्रूर औरंगजेब ने उनको, पिंजरे में डलवा दिया ॥
चाँदनी चौक में रखवाया पिंजरा, जनता जिससे डर जाए।
जल्लाद ने तलवार से, गुरु शीश धड़ से अलग किया ॥
अलग-अलग धड़-शीश धरे, कि अन्तिम संस्कार भी ना होवे।
लेकिन जैता और दुलो ने, शीश वहाँ से उड़ा लिया ॥
घोड़ों पर दौड़, दो दिन-रात, आनंदपुर साहिब सिर पहुंचा दिया।
इस हड़कंप में लखी शाह ने, धड़ भी उनका उठा लिया ॥
बैलगाड़ी में रखकर धड़ भागा, घर में जाकर जला दिया।
अंतिम संस्कार की रीत निभाने, घर ही अपना जला दिया।
वहाँ गुरुद्वारा रकाबगंज संगत ने बनवा दिया
शीश कटा जहाँ गुरु को, शीशगंज गुरुद्वारा कहलाया ॥
नौ बरस के गोबिन्द राय को, सौंप के गद्दी चले गये।
हिन्द की चादर, हिन्द की खातिर, जीवन अर्पित कर गये

HOS
G.S.K.V.
Shiv Ram Park, Nangloi
ID : 1617222

चांचल / Dev Raj
XI C
20160248545
15/02/2005